Applications for permits to export rice and Wheat

5130. SHRI P. UPENDRA: Will the Minister of FOOD be pleased to state:

(a) whether the Food Corporation of India has received a large number of applications for permits to export rice and wheat in pursuance of the recent Government decision to allow more exports in view of the comfortable stock position;

(b) whether there is great delay in processing the applications and releasing stocks from the FCI godowns causing inconvenience to exporters and leading to cancellation of export orders; and

(c) if so, what steps Government are taking to deal with the application promptly and expeditiously?

THE MINISTER OF FOOD (SHRI AJIT SINGH): (a) to (c) After the recent decision of Government authorising Food Corporation of India to export/sell for the purpose of export upto 25 lakh tonnes of wheat (within the export ceiling of 25 lakh tonnes) and upto 20 lakh tonnes of rice (fine and superfine), about 125 applications for purchase for the purpose of export of what and rice have been received by FCI till 30.4.95. A High Level Committee constituted under the Chairmanship of Chairman, FCI to consider all aspects of export of foodgrains including fixation of prices, has since fixed the prices of rice and prescribed the modalities to be followed in case of applications by the various parties from time to time.

गेहूं प्रापण केन्द्रों पर किसानों को धोखा दिया जाना

5131. श्री आस मोहम्मद :

श्री कनकसिंह मोहनसिंह मंगरोला :

क्या खाद्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार को विभिन्न गेहूं प्रापण केन्द्रों पर किसानों को धोखा देने के संबंध में अनेक शिकायतें प्राप्त हुई हैं;

(ख) यदि हां, तो सरकार द्वारा इस संबंध में क्या कार्यवाही की गई है ; और

(ग) सरकार द्वारा इसके लिए उत्तरदायी व्यक्तियों के विरुद्ध क्या कार्यवाही की गई है ?

खाद्य मंत्री (श्री अजित सिंह) : (क) चालू रबी विपणन मौसम 1995–96 के दौरान इस प्रकार की कोई शिकायत अभी तक प्राप्त नहीं हुई है।

(ख) और (ग) प्रश्न नहीं उठता।

चीनी के अतिरिक्त स्टाक का निपटान

5132. श्री राम जेठमलानी :

श्रीमती सुषमा स्वराज :

क्या खाद्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि वर्ष 1995–96 में देश में चीनी पेराई मौसम के दौरान चीनी का उत्पादन घरेलू खपत के लिये चीनी की आवश्यकता की तुलना में अधिक होने की संभावना है ;

(ख) यदि हां, तो क्या सरकार देश में चीनी के अतिरिक्त स्टॉक का निर्यात करने और इसके द्वारा विदेशी मुद्रा कमाने पर विचार करेगी ;

(ग) तो क्या यह भी सच है कि देश में चीनी के उत्पादन की लागत विश्व के अन्य चीनी निर्यात करने वाले देशों की तुलना में अधिक है और इस प्रकार से देश को देश में ही इसकी बिक्री कीमत की तुलना में विदेश में भारतीय चीनी की बिक्री से वित्तीय घाटा उठाना पड़ता है ;

(घ) यदि नहीं, तो इस संबंध में तथ्य क्या हैं; और